नाम — नयनशी दूबे

मो0नं0 — 9519494909

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका–

सतत विकास व विकास है जिसके अंतर्गत भावी पीढ़ियों के लिए आवश्यकता पूर्ति करने की क्षमताओं में समझौता किए बिना वर्तमान पीढ़ी को आवश्यकताओं की पूर्ति किया जाता है। अतः पर्यावरण सुरक्षा के बिना विकास को सतत नहीं बनाया जा सकता अर्थात भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक संसाधनों का वर्तमान समय में किस प्रकार प्रयोग करना जिससे आर्थिक विकास एवं पर्यावरण सुरक्षा के बीच वांछित संतुलन स्थापित हो सके।

सतत विकास के लक्ष्यों में भारत के युवाओं की भूमिका–

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा–

जो समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुनिश्चित करने और सबके लिए आजीवन सीखने के अवसरों को प्रोत्साहित करने के लक्ष्य पर के निमित्त हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से 17 सतत विकास के लक्ष्यों को 2030 तक प्राप्त करने का एजेंडा बनाया है।

17 सतत विकास लक्ष्य एक संपूर्ण और सामंजस्य पूर्ण फ्रेमवर्क प्रदान करते हैं।

इसके लिए राष्ट्रों को सतत विकास के सामाजिक आर्थिक और पर्यावरण के पहलुओं का समाधान संतुलित ढंग से करना होगा।

इस पर अमल करते हुए समावेश और एकीकरण तथा किसी को पीछे छोड़ने ना दें के सिद्धांत का पालन अनिवार्य है।

इन लक्ष्यों को ध्यान में रखकर ही भविष्य की रणनीतियों को रेखांकित किया जाना चाहिए।

चाहे लड़का हो या लड़की दोनों को गुणवत्तापूर्ण उच्चतम और व्यवसाय शिक्षा मुहैया करना इस लक्ष्य का एजेंडा है।

सतत विकास मे युवाओं की भूमिका–

सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए युवाओं में पारंपरिक शिक्षा के साथ–साथ व्यवसायिक शिक्षा की ओर उन्मुख करना चाहिए युवाओं को पर्यावरणीय शिक्षा और प्राकृतिक के तालमेल के साथ ही संपूर्ण समाज के विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

नवाचार अन्वेषण के साथ में समाज के विभिन्न पहलुओं का समावेश कर के युवाओं की शिक्षा में समावेश करना चाहिए।

वर्तमान में युवा को चाहिए कि राष्ट्रीय निर्माण में वह अपना महत्तम दे उसे राष्ट्र के पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जल की बर्बादी वायु प्रदूषण कचरे का सही निस्तारण आज का समुचित प्रबंध करें और समाज के लोगों को जागरूक करें।

शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक जैसे कंप्यूटर शिक्षा बेव डेवलिंग स्किल इंडिया द्वारा चलाए जा रहे प्रोग्रामों में शिक्षा प्राप्त कर राष्ट्र निर्माण के साथ–साथ सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना महत्तम प्रदान करें।

सतत विकास में युवाओं की भूमिका सुनिश्चित करने के लिए सरकारी तंत्र विद्यालय महाविद्यालय स्वयं सहायता समूहों को समय पर युवाओं को जागरुक करना चाहिए विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा उनका प्रेरणा और भागीदारी भी प्रदान करनी चाहिए।

भारत में समाज कल्याण विभाग द्वारा समय–समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

भारत सरकार ने युवाओं के लिए छल्ज़ै (नेहरू युवा केंद्र संगठन) की स्थापना की है।

उठो जागो रुको मत

तब ही लक्ष्य तुम्हें मिलेगा आखिर भारत का युवा वर्ग सत्य को कब अपनाएगा।